तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज उनवान सरकार बनाम ..... मुकदमा नं० ....24/17.... निर्णय दि०.....	नंबर अहकाम हुक्म में जारी

प्रार्थिनी ने ही प्रार्थी को मारा है।
प्रार्थी का गला चाकू से रेत कर हत्या की।
प्रार्थीगण का प्रकरण झूठा मेरे खिलाफ है।
गवाहान पक्ष की ओर से प्रार्थीगण के ही
अभिभाषक व गवाह का सम्पूर्ण प्रार्थीगण का
पक्ष भी है।

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थनापत्र
ना स्वीकार किया जाता है तथा पत्रावली
को मेरे सम्बन्ध के रूप में जाने गवाहान
ना मोहन दि० 26-9-17 ना मोहन
लाल तक के लिए सम्बन्ध किया जाता है।

निर्णय मेरे द्वारा लिखाया जाकर सुनाये
जाने के उपरान्त गया। पत्रावली
मिसल अन्दर दोनों पक्ष से बन्द हो

Scanned by CamScanner